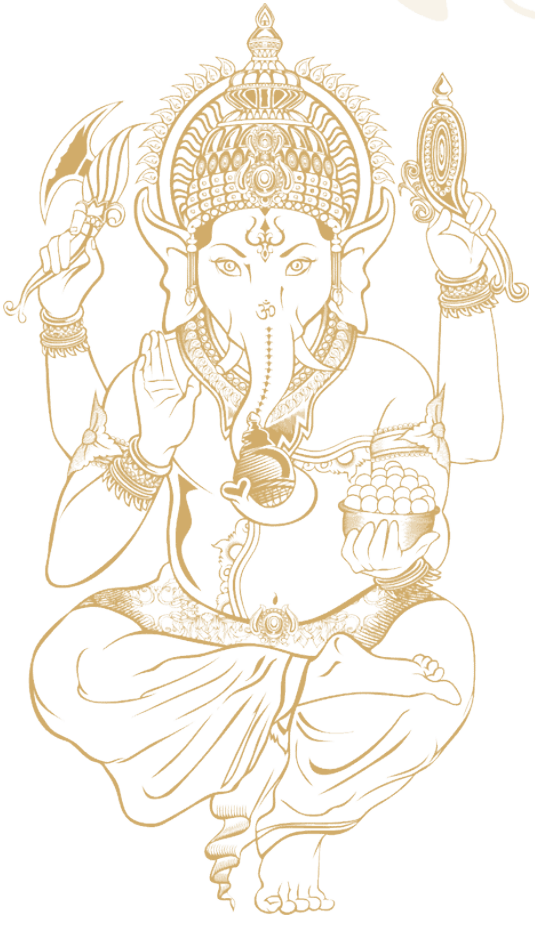

Ankita Kumari

14 May 2000

03:50 AM

Jilo

Model: web-freekundliweb

Order No: 121596802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**13-14/05/2000**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**03:50:00 घंटे**
इष्ट	55:29:37 घटी
स्थान	**Jilo**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:50:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:23:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:41 घंटे
साम्पातिक काल	18:51:46 घंटे
सूर्योदय	05:38:09 घंटे
सूर्यास्त	19:07:12 घंटे
दिनमान	13:29:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	29:34:54 मेष
लग्न के अंश	24:15:49 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वज्र
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पिंगला
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	24:15:49	496:08:38	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			मेष	29:34:54	00:57:52	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	उच्च राशि
चंद्र			कन्या	08:15:46	13:06:12	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	वृष	13:12:52	00:41:40	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	सम राशि
बुध		अ	वृष	05:20:51	02:09:38	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
गुरु		अ	मेष	25:23:20	00:14:15	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र		अ	मेष	21:54:32	01:13:47	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि		अ	मेष	26:58:55	00:07:43	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	नीच राशि
राहु	व		कर्क	03:04:18	00:06:35	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	03:04:18	00:06:35	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	26:54:49	00:00:34	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:42:27	00:00:11	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:10:53	00:01:31	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			धनु	18:02:38	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:27

लग्न-चलित

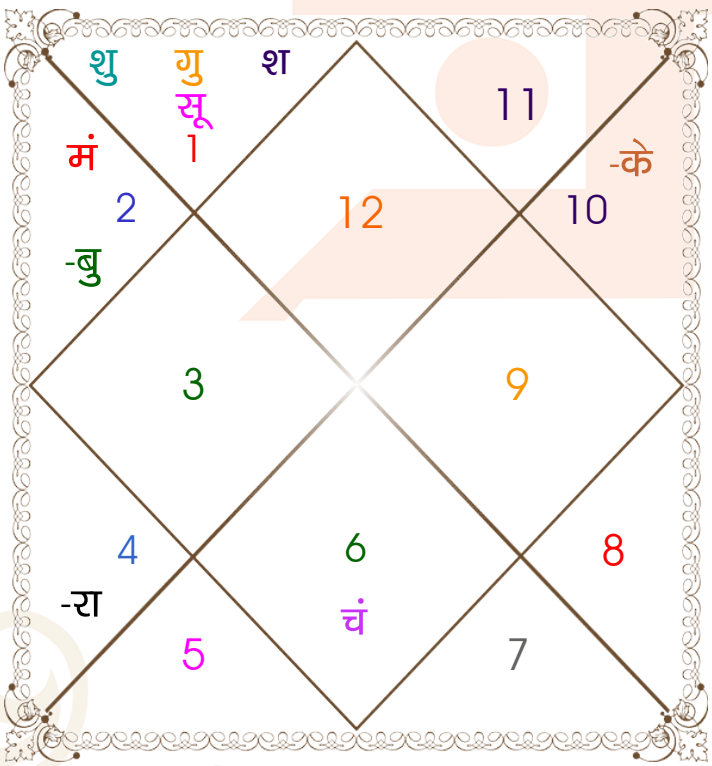

चन्द्र कुंडली

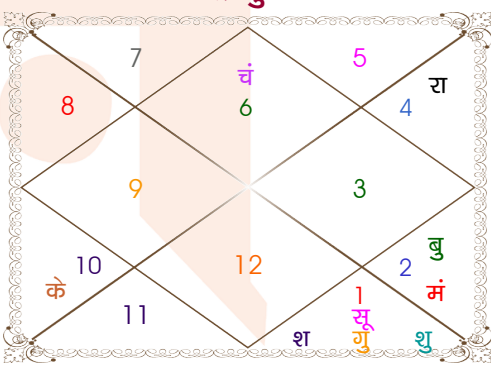

नवमांश कुंडली

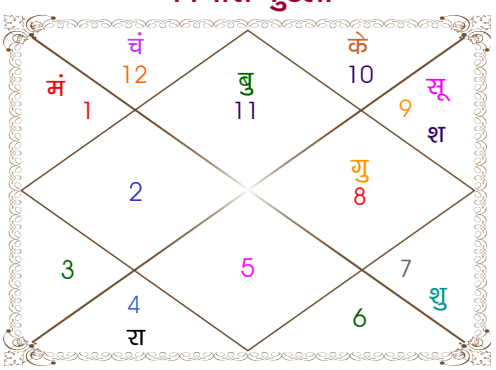

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 9 मास 11 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
14/05/2000		23/02/2001		24/02/2011		23/02/2018		24/02/2036	
23/02/2001		24/02/2011		23/02/2018		24/02/2036		24/02/2052	
	00/00/0000	चंद्र	25/12/2001	मंगल	23/07/2011	राहु	06/11/2020	गुरु	13/04/2038
	00/00/0000	मंगल	26/07/2002	राहु	09/08/2012	गुरु	01/04/2023	शनि	24/10/2040
	00/00/0000	राहु	24/01/2004	गुरु	16/07/2013	शनि	05/02/2026	बुध	30/01/2043
	00/00/0000	गुरु	25/05/2005	शनि	25/08/2014	बुध	25/08/2028	केतु	06/01/2044
	00/00/0000	शनि	25/12/2006	बुध	22/08/2015	केतु	12/09/2029	शुक्र	06/09/2046
	00/00/0000	बुध	25/05/2008	केतु	18/01/2016	शुक्र	12/09/2032	सूर्य	25/06/2047
	00/00/0000	केतु	24/12/2008	शुक्र	20/03/2017	सूर्य	07/08/2033	चंद्र	24/10/2048
	14/05/2000	शुक्र	25/08/2010	सूर्य	25/07/2017	चंद्र	05/02/2035	मंगल	30/09/2049
शुक्र	23/02/2001	सूर्य	24/02/2011	चंद्र	23/02/2018	मंगल	24/02/2036	राहु	24/02/2052

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
24/02/2052		24/02/2071		24/02/2088		24/02/2095		25/02/2115	
24/02/2071		24/02/2088		24/02/2095		25/02/2115		15/05/2120	
शनि	27/02/2055	बुध	22/07/2073	केतु	22/07/2088	शुक्र	25/06/2098	सूर्य	14/06/2115
बुध	06/11/2057	केतु	20/07/2074	शुक्र	21/09/2089	सूर्य	25/06/2099	चंद्र	14/12/2115
केतु	16/12/2058	शुक्र	19/05/2077	सूर्य	27/01/2090	चंद्र	24/02/2101	मंगल	20/04/2116
शुक्र	14/02/2062	सूर्य	26/03/2078	चंद्र	28/08/2090	मंगल	26/04/2102	राहु	14/03/2117
सूर्य	27/01/2063	चंद्र	25/08/2079	मंगल	24/01/2091	राहु	26/04/2105	गुरु	01/01/2118
चंद्र	28/08/2064	मंगल	22/08/2080	राहु	12/02/2092	गुरु	26/12/2107	शनि	14/12/2118
मंगल	06/10/2065	राहु	11/03/2083	गुरु	18/01/2093	शनि	25/02/2111	बुध	20/10/2119
राहु	12/08/2068	गुरु	16/06/2085	शनि	26/02/2094	बुध	26/12/2113	केतु	25/02/2120
गुरु	24/02/2071	शनि	24/02/2088	बुध	24/02/2095	केतु	25/02/2115	शुक्र	15/05/2120

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 9 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि की विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगी।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचती हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होती हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पति के समक्ष जाती हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पति की सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाती हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाली नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाली प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगी एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकती हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगी। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप पुरुष के प्रति विरोधात्मक रुख आपनाएंगी तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति की महिला हो तथा अपने जीवन में सफल होंगी। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखती रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि की धार्मिक महिला हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकती है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकती हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकती हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।